केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मुख्यालय, दिल्ली

प्रशासन व हिंदी शाखा द्वारा हिंदी गतिविधि का आयोजन - एक रिपोर्ट

राजभाषा हिंदी के प्रसार-प्रचार व जागरूकता के तहत बोर्ड मुख्यालय की प्रशासन व हिंदी शाखा द्वारा संयुक्त रूप से साहित्य अकादमी पुरस्कार और पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित सुप्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार हरिवंशराय बच्चन जी की जयंती के दिवस (27 नवंबर) के उपलक्ष्य में निम्न अनुसार हिंदी गतिविधि का आयोजन किया गया :-

स्थान	मुख्यालय भवन, तृतीय तल, 28 नवंबर, अपराह्न 4 बजे
हिंदी गतिविधि	हरिवंशराय बच्चन या अन्य हिंदी रचनाकारों के जीवनकृतित्व पर/ विचार प्रस्तुति अथवा हिंदी में कहानी, गीत, कविता पाठ आदि
प्रतिभागी	प्रशा -2 व 3, कार्मिक ए व बी, छात्रवृत्ति और हिंदी प्रकोष्ठ के अधिकारी व कर्मचारीगण

उपर्युक्त कार्यक्रम **श्रीमती आई एम कैथरीन, संयुक्त सचिव (सूचना प्रौद्योगिकी)** के निरीक्षण व मार्गदर्शन में आयोजित हुआ जिसमें श्री गुलाब सिंह, अवर सचिव (कार्मिक ए व बी), श्रीमती बलबीर कौर, अवर सचिव (राजभाषा), श्री प्रीतम सलूजा, अवर सचिव (प्रशासन) तथा कार्मिक, हिंदी, छात्रवृत्ति, प्रशासन के प्रभारी अधिकारीगण व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा प्रतिभागियों के समक्ष कार्यक्रम का प्रयोजन और रूपरेखा रखी गई। इसके बाद कार्यक्रम में निम्न अनुसार प्रस्तुतियां दी गई:-

श्री गुलाब सिंह, अवर सचिव (कार्मिक ए व बी) ने बच्चन जी के बारे में, उनकी प्रमुख कृति 'मधुशाला' के बारे में चर्चा की। इन्होंने उनकी प्रसिद्ध कविता 'अग्निपथ" का पाठ किया। इसके अतिरिक्त कुछ रोचक क्षणिकाएं भी सुनाई।

श्रीमती बलबीर कौर, अवर सचिव (राजभाषा) ने दिल को छू लेने वाली कविता **'बीत गई सो बात गई'** का पाठ किया। कुछ पंक्तियाँ :-

जीवन में वह था एक कुसुम
थे उस पर नित्य निछावर तुम
वह सूख गया तो सूख गया
मधुवन की छाती को देखो
सूखी कितनी इसकी कलियाँ
मुरझाई कितनी वल्लरियाँ
जो मुरझाई फिर कहाँ खिलीं
पर बोलो सूखे फूलों पर
कब मधुवन शोर मचाता है
जो बीत गई सो बात गई

श्री देवेंद्र, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने 'मिट्टी का तन, मस्ती का मन, क्षण भर जीवन - मेरा परिचय कहने वाने काव्य-सर्जक हरिवंश राय बच्चन की रचनाधर्मिता, काव्यगत विशिष्टओं और उनके साहित्य अवदान पर संक्षिप्त रूप में विचार प्रस्तुत किए। साथ ही, बच्चन जी की कविता **'दिन जल्दी जल्दी ढलता है'** का पाठ किया।

श्रीमती विजेता भारद्वाज, कनिष्ठ हिंदी अधिकारी द्वारा इस अवसर पर बच्चन जी की गीत कृति "प्रणय पत्रिका' से एक प्यारी सी रचना **'तुमको छोड़ कहीं जाने को आज हृदय स्वच्छंद नहीं है'** सुनाई।

श्री निशांत भारतीय, अधीक्षक द्वारा भी इस अवसर पर कुछ दिलचस्प प्रस्तुतियां दी। कुछ अंश:-

'मंजिल मिले, ये मुकद्दर की बात है,
हम कोशिश ही न करें, ये तो गलत बात है...

किसी ने बर्फ से पूछा कि 'आप इतने ठंडे क्यूँ हो?'
बर्फ ने बड़ा अच्छा जवाब दिया
'मेरा अतीत भी पानी;
मेरा भविष्य भी पानी...'
फिर गर्मी किस बात पे रखूँ।'

प्रशासन 2 व 3 शाखा के अन्य कार्मिकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। श्री विमल ने बच्चन जी के जीवन, उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और सोहनलाल द्विवेदी जी की एक कविता **"लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती कोशिश करने वालों की हार नहीं होती" का पाठ किया।**

अंत में सभी प्रतिभागियों को हिंदी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उत्साहपूर्ण भागीदारी दी। इस प्रकार यह हिंदी गतिविधि सम्पन्न हुई।

219258/2023/HINDI SECTION

झलकियाँ

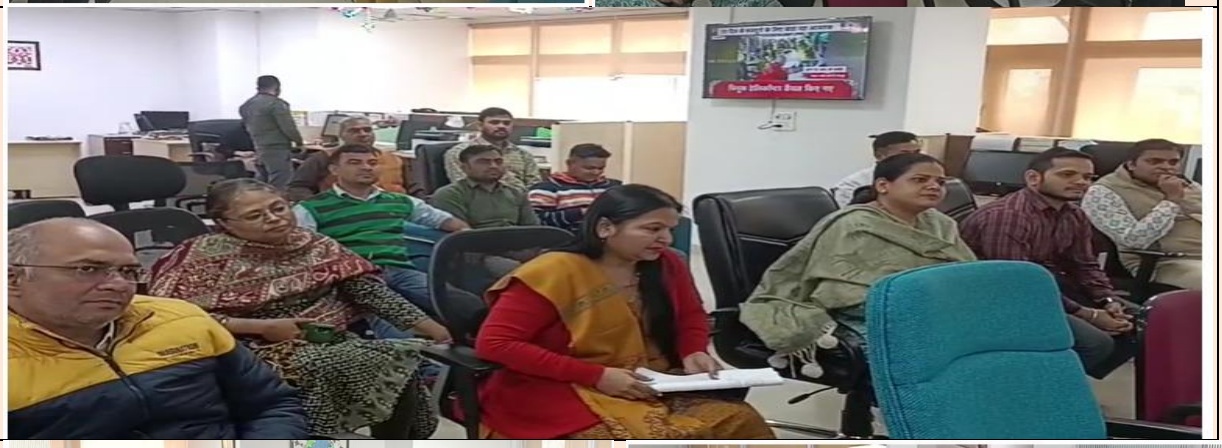

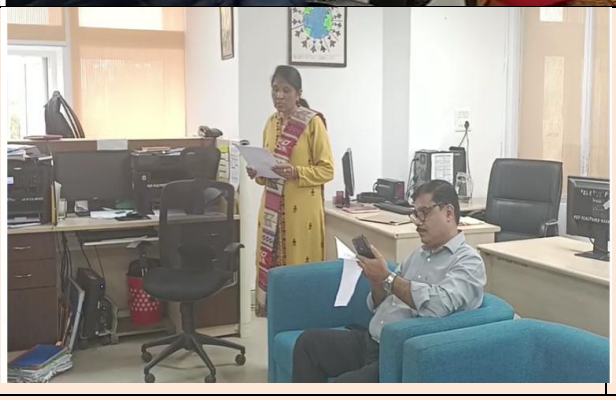

219258/2023/HINDI SECTION

****